Demand to develop Vindhyachal region in Mirzapur division as tourist destination

श्री राम शकल (नाम निर्देशित) : महोदय, विन्ध्याचल मण्डल में तीन जनपद आते हैं, मिर्जापुर, भदोही और सोनभद्र, जहां पर्यटन की दृष्टि से सारी संभावनाएं हैं। मिर्ज़ापुर में मां विन्ध्यवासिनी का पावन धाम तथा चुनार का किला है, भदोही में मां सीता का समाधि स्थल तथा सोनभद्र शिव द्वार में शिव जी का मंदिर व मां कुण्डवासिनी का पावन धाम है। महोदय, सिंचाई की दृष्टि से बड़े-बड़े डैम बने हैं, जैसे अदवा डैम, मेजा डैम, सिरसी डैम, अहरौरा डैम, जरगो डैम तथा सोनभद्र में धनरोल डैम व रिहन्द डैम, जिसे गोविन्द वल्लभ पन्त सागर के नाम से जाना जाता है तथा ढेर सारे जलप्रपात व फाल, जैसे विन्दम फाल, टाण्डा फाल, सिद्धीनाथ दरी, लखनिया दरी, राज दरी, देव दरी तथा मुक्खा फाल स्थित हैं। मिर्जापुर में चुनार का किला, विजयपुर का किला, तथा सोनभद्र में विजयगढ़ का किला, अगोरी का किला है, जो ऐतिहासिक पर्यटन स्थल हैं।

महोदय, अगर इन बड़े-बड़े डैम्स तथा फाल्स व जलप्रपात के पास रिज़ॉर्ट, होटल तथा रेस्टोरेन्ट बनाए जाएं, वहां नौका विहार की दृष्टि से नावों तथा स्टिमर की व्यवस्था हो जाए तो विदेशी पर्यटकों की दृष्टि से वहां काफी सुविधा हो जाएगी तथा स्थानीय लोगों को रोज़गार उपलब्ध होगा। विन्ध्याचल मण्डल से मिर्जापुर, जो वाराणसी से 60 किलोमीटर की दूरी पर है, यहां विदेशी पर्यटक भी आने लगेंगे। महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार तथा पर्यटन मंत्री जी से मांग करता हूं कि विन्ध्याचल मण्डल, के तीनों जिले - मिर्जापुर, सोनभद्र तथा भदोही उ.प्र. जिले को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाए, जिससे विदेशी पर्यटकों को तथा स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिल सके।

श्रीमती कान्ता कर्दम (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

Demand to develop the adjoining area of Chachai Water Fall, District Reva, as a sanctuary

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश) : महोदय, चचाई जलप्रपात विश्व प्रसिद्ध प्राकृतिक सौंदर्य का नमूना है। जिसे देखने के लिए विश्व के पर्यटक आते हैं। वहीं बीहर नदी से चचाई जलप्रपात का निर्माण हुआ है।

प्रपात के बीच बीहर नदी और टमस नदी का संगम स्थल है। इसी से लगा हुआ हजारों एकड़ जमीन में घना जंगल है, जहां शेर, चीता एवं अन्य जंगली जानवरों का बसेरा है, जो कभी-कभी किसानों की फसल को भी बरबाद करते हैं। चचाई को अभ्यारण्य बनाये जाने हेतु कई वर्ष पहले सर्वे भी किया गया था, प्रस्ताव भी शासन और प्रशासन को भेजा गया था, लेकिन उस दिशा में आज तक कोई पहल नहीं की गई है।